खण्ड-'क'

1. (क) (i)
(ख) (ii)
(ग) (iii)
(घ) (i)
(ङ) (iv)

2. (क) (ii)
(ख) (iii)
(ग) (i)
(घ) (i)
(ङ) (i)

3. (क) (iv)
(ख) (iv)
(ग) (iv)
(घ) (iii)
(ङ) (i)

4. (क) (i)
(ख) (ii)
(ग) (iii)
(घ) (ii)
(ङ) (iv)

खण्ड-'ख'

5. (क) वे मुझे जानने वाले सब लोगों से मिले।
(ख) सरल वाक्य
(ग) आषाढ़ की एक सुबह थी और एक मोर ने मल्हार के मियाऊ-मियाऊ को सुर दिया था।

6. (क) फ़ुरसत में मैना द्वारा / के द्वारा खूब रियाज़ किया जाता है।
(ख) फ़ाख़्ताएँ गीतों को सुर देती हैं।
(ग) बच्चे से साँस नहीं लिया जा रहा था।
(घ) दो-तीन पक्षी अपनी-अपनी लय में एक साथ कूद रहे थे।

7. मनुष्य - संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
वह - सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
सूक्ष्म - विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य- 'इच्छाओं'
चाहता है - क्रिया, सकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल

8. (क) (i) रौद्र रस
(ii) करुण रस
(ख) (i) रति
(ii) वात्सल्य

खण्ड-'ग'

9. (क) - पुराने ज़माने में स्त्रियों के लिए कोई विश्वविद्यालय या शिक्षा की कोई विशेष व्यवस्था न थी।
- संभवतः इसका उल्लेख रहा हो और समय के साथ नष्ट हो गया हो।
(ख) ग्रंथों में किसी विषय या प्रणाली आदि का उल्लेख न मिलना इस बात का प्रमाण नहीं है कि उसका अस्तित्व ही नहीं था।
(ग) - नियमावली न होने के बावजूद ग्रंथों में विदुषियों का नामोल्लेख
- नियमावलियाँ समय के साथ नष्ट भी हो सकती हैं। (किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)

10. (क) - धरती से अधिक सहनशील
- बेपढ़ी-लिखी, व्यक्तित्वविहीन
- अपने पति की ज़्यादतियों को प्राप्य मानकर स्वीकार करने वाली

-स्नेही, बच्चों की हर इच्छा पूरी करने को तत्पर (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)
(ख) - बहुत अपनों द्वारा किए गए विश्वासघात की गहरी चोटें
- सदा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना
- गिरती आर्थिक स्थिति (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)
(ग) कभी-न-कभी खुदा मेहरबान होगा, अपनी झोली से सुर का फल देकर उनकी सच्चे सुर की मुराद पूरी करेगा।
(घ) - संगीत - साहित्य की परंपराएँ
- गंगा - जमुनी संस्कृति
(ङ) - खाने-पीने, ओढ़ने-पहनने के तरीके
- गमनागमन के साधन
- त्याग, ज्ञान, कल्याण (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)

11. (क) सुर ऊपर उठाने के प्रयास में आवाज़ साथ नहीं देती।
(ख) – संगतकार
- इंसानियत के कारण, मुख्य गायक का साथ देता है।
(ग) सर्वोच्च स्वर में गायन

12. (क) - महिलाएँ स्वयं अपने सौंदर्य के मोह में फँस जाती हैं जिसके कारण समाज के शोषण का शिकार बनती हैं।
- वे अपने वास्तविक एवं आंतरिक गुणों से अनभिज्ञ रहती हैं।
(ख) - बेटी को विदा करने का दुख
- बेटी माँ की अंतिम पूँजी थी जो विदा हो रही थी।
- अनुभवी माँ को बेटी के भविष्य की चिंता हो रही थी। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)
(ग) - इच्छित की प्राप्ति न होने की वेदना
- उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रयास करने की चेतना
(घ) विनम्रता, धीरता, गंभीरता आदि पर टिप्पणी अपेक्षित
(ङ) - क्रोधी - धनुष तोड़ने वाले को अपने शत्रु के समान समझना
- अभिमानी - अपने कार्यों को अभिमानपूर्वक बताना
- वीर - अनेक बार पृथ्वी को क्षत्रिय-विहीन किया (कोई दो बिंदु अपेक्षित, अन्य उपयुक्त बिंदुओं पर भी पूरे अंक दिए जाएँ)

13. स्वयं करे

खण्ड-'घ'

14. स्वयं करे
15. स्वयं करे
16. स्वयं करे